तापमान

अधिकतम 39.0 डिग्री

न्यूनतम 28.0 डिग्री

हरिभूमि

रत्न भूमि

रायपुर, बुधवार 13 मई 2026

11 रवेली में समर कैंप, ताराचंद निषाद दे रहे प्रशिक्षण...

10 कौंदकेरा के नन्हे जल प्रहरियों ने पेश की मिसाल...

राजिम | फिंगेश्वर | छुरा | मुड़ागांव | रसेला | गरियाबंद | कोपरा | मैनपुर | देवभोग | पांडुका | छुईहा बेलर

खबर संक्षेप

अनियंत्रित होकर उदंती नदी में गिरी तेज रफ्तार कार, दो घायल

मैनपुर। मैनपुर देवभोग नेशनल हाइवे 130 सी मुख्यमार्ग में मंगलवार दोपहर को तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर 20 फीट गहरे खाई उदंती नदी में गिर गया। कार में सवार दो लोग सुरक्षित निकाले गए इस मार्ग में इन दिनों सड़क दुर्घटना बढ़ गई है।

निजी तस्वीरें वायरल करने वाला गिरफ्तार

महासमुंद। जिला पुलिस ने महिलाओं की निजी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी रोनोजीत दोलाई, जो पश्चिम बंगाल का निवासी है, ने पीड़िता का मोबाइल मांगकर उसकी निजी तस्वीरें और वीडियो अपने फोन में ट्रांसफर कर लिए। पीड़िता के मना करने के बावजूद, आरोपी ने इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर उन तस्वीरों को सार्वजनिक कर दिया और उसे ब्लैकमेल करने लगा। पुलिस ने तकनीकी जांच और साइबर सबूतों के आधार पर आरोपी को धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन और आपत्तिजनक डिजिटल डेटा भी जब्त कर लिया है।

कंटेनर की टक्कर से कार सवार घायल

महासमुंद। खल्लारी थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 353 पर ग्राम मामा भांचा के पास एक तेज रफ्तार ट्रक कंटेनर और वेगनआर कार के बीच सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और कंटेनर सड़क पर ही पलट गया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हाथी अलर्ट ऐप के डेटा से खुलासा : महुआ नहीं, तेंदू और बांस करील हाथियों की पहली पसंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व क्षेत्र में हाथियों की गतिविधियों पर निगरानी और ग्रामीणों को सतर्क करने के लिए उपयोग किए जा रहे हाथी अलर्ट ऐप से हाथियों के खान-पान को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। ऐप के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि आम धारणा के विपरीत हाथी महुआ से ज्यादा बांस करील और तेन्दु को पसंद कर रहे हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक वरुण जैन ने बताया कि हाथियों की गतिविधियों और उनके भोजन संबंधी आदतों को

डेटा वन विभाग के लिए बेहद महत्वपूर्ण

वैज्ञानिक प्रबंधन में मिलेगी बड़ी मदद

वरुण जैन ने कहा कि यह डेटा वन विभाग के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इससे हाथियों के लिए उनके प्राकृतिक आवास में आवश्यक वनस्पतियों के संरक्षण और संवर्धन की योजना बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही बेहतर हाथी कॉरिडोर प्रबंधन और मानव-हाथी संघर्ष को कम करने की दिशा में भी यह जानकारी उपयोगी साबित होगी। उन्होंने बताया कि हाथी अलर्ट ऐप केवल ग्रामीणों को समय पर सूचना देकर जन-धन की सुरक्षा में मदद नहीं कर रहा बल्कि वन्यजीवों के व्यवहारिक अध्ययन के लिए भी एक मजबूत वैज्ञानिक आधार तैयार कर रहा है।

आम धारणा के विपरीत महुआ से ज्यादा तेंदू प्रिय

उपनिदेशक ने बताया कि आमतौर पर माना जाता है कि हाथियों को महुआ सबसे अधिक पसंद होता है, लेकिन ऐप के आंकड़ों में महुआ का सेवन 180 बार दर्ज हुआ, जो अन्य कई वनस्पतियों की तुलना में कम है। इसके अलावा मोदे/मोयन की छाल और जड़ 287 बार विभिन्न प्रकार की घास 267 बार भेवला की जड़ और पत्ते 214 बार छिंद जड़ 205 बार सेन्हा/लेंडिया 129 बार और माहुल बेल पत्ता 125 बार भी हाथियों के भोजन में प्रमुख रूप से शामिल हैं।

वैज्ञानिक तरीके से दर्ज करने के लिए हाथी अलर्ट ऐप का उपयोग किया जा रहा है। ऐप से प्राप्त आंकड़े वन विभाग के लिए काफी उपयोगी साबित हो रहे हैं जिससे हाथियों के प्राकृतिक व्यवहार, उनके आवागमन और खाद्य पसंद को बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। उन्होंने बताया कि ऐप के डेटा के अनुसार हाथियों ने सबसे अधिक अन्य वनस्पतियों' का सेवन किया जिसे 1175 बार दर्ज किया गया। वहीं विशिष्ट वनस्पतियों में तेन्दु जड़ और पत्ते का सेवन 430 बार दर्ज हुआ जो इसे हाथियों की प्रमुख पसंद बनाता है। इसके अलावा बांस करील का सेवन 329 बार और साल की जड़ व पत्तों का सेवन 323 बार रिकॉर्ड किया गया।

सुशासन तिहार : अधिकारियों को विधायक ने लगाई फटकार

लो-वोल्टेज और अघोषित बिजली कटौती पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा/ रसेला

काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

विधायक ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार की मंशा स्पष्ट करते हुए कहा कि यह सुशासन तिहार केवल भाषण का मंच नहीं, बल्कि जनता के हक की लड़ाई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई अधिकारी रिश्वत मांगता है या काम में लापरवाही बरतता है, तो उसके खिलाफ सीधी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारी अब एयरकंडीशन कमरों से निकलकर गांवों में जनता को जवाब देंगे।

प्रदेश सरकार के सुशासन तिहार के अंतर्गत ग्राम पंचायत नवापारा (कोसमी) में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर हंगामेदार रहा। यह शिविर उस समय चर्चा का केंद्र बन गया जब ग्रामीणों ने लो-वोल्टेज और बिजली की अघोषित कटौती को लेकर अपना भारी आक्रोश व्यक्त किया। जनता के तीखे सवालों के सामने अधिकारी निरुत्तर नजर आए, जिसके बाद राजिम विधायक रोहित साहू ने मंच से ही कड़ी नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को फटकार लगाई। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने शिकायत की कि लो-वोल्टेज के कारण उनके बिजली उपकरण खराब हो रहे हैं और भीषण गर्मी में किसानों के बोर नहीं चल पा रहे हैं। बिजली विभाग के अधिकारियों ने जब तर्क दिया कि खेतों में अधिक बोर चलने के कारण यह समस्या हो रही है, तो विधायक रोहित साहू ने स्पष्ट शब्दों में कहा बिजली विभाग कान खोलकर सुन ले, ग्रामीणों को अंधेरे और कम वोल्टेज में रहने को मजबूर नहीं किया जा सकता। जनता समय पर बिल भरती है, तो उन्हें पूरी सुविधा मिलनी चाहिए। जनसमस्याओं को हल्के में लेना अब बंद करें। विधायक ने केवल बिजली ही नहीं, बल्कि राजस्व विभाग की सुस्ती पर भी कड़ा प्रहार किया। छुरा ब्लॉक में 85 सीमांकन प्रकरण लंबित होने की जानकारी मिलते ही उन्होंने कड़े लहजे में कहा कि 15 जून से पहले सभी मामलों का निराकरण सुनिश्चित करें। जनता को अब दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। वहीं, ग्राम पत्थर्री के 46 किसानों की बंदोबस्त त्रुटि की शिकायत पर एसडीएम को गांव में विशेष शिविर लगाने के निर्देश दिए गए।

साक्षी के गीत ने किया भावुक, विधायक ने की मदद की घोषणा- शिविर में शिकायतों के शोर के बीच एक बेहद भावुक पल तब ⏭शेष पेज 11 पर

नीट परीक्षा रद्द होने से छात्र और अभिभावकों में निराशा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवापारा-राजिम

देश की सबसे बड़ी प्रतियोगी मेडिकल प्रवेश परीक्षा पेपर लीक के कारणों से रद्द कर दी गई है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नोफेटिफिकेशन जारी कर 3 मई को आयोजित नीट परीक्षा दुबारा कराए जाने की घोषणा की है। जिससे देश के 22 लाख से अधिक छात्र एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश के 40 हजार से अधिक छात्र एवं उनके अभिभावकों में भारी रोष है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के मुताबिक राजस्थान के सीकर एवं अन्य दूसरे शहरों में परीक्षा का पेपर सोशल मीडिया व्हाट्सएप के जरिए वायरल हुआ था। जिसमें 600 अंकों के प्रश्न हुबहू मूल प्रश्नपत्र के थे। जिसके चलते परीक्षा रद्द कर दुबारा परीक्षा आयोजित करने की बात कही गई है। यह पहला मौका नहीं है जब मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में अनियमितता एवं पेपर लीक हुई हो। इससे पहले पिछले कई वर्षों में नीट परीक्षा में अनेकों शिकायतें आई है। बावजूद इसके परीक्षा एजेंसियों ने सुध नहीं ली। न ही व्यवस्था में सुधार किया। जिसका हर्जाना लाखों छात्रों एवं उनके अभिभावकों को भुगतना पड़ रहा है। शहर के बलराम देवांगन,डॉ राजीव अग्रवाल सहित कुछेक अभिभावकों ने बताया कि उनके बच्चे विगत 2-3 वर्षों से कोटा, दिल्ली, उदयपुर,रायपुर एवं अन्य बड़े शहरों में रहकर नीट की तैयारी कर रहे है। कोचिंग एवं हॉस्टल में लाखों रुपए खर्च हो रहे है। कड़ी मेहनत कर परीक्षा में

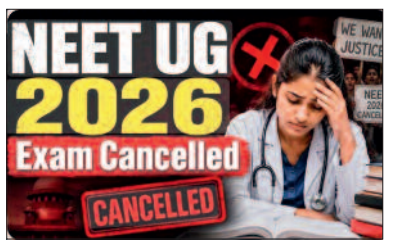

सम्मिलित होने एवं अच्छे अंकों की उम्मीद भी थी। किंतु अचानक परीक्षा रद्द करने से सालों की मेहनत पर पानी फिर गया है। अब पुनः मानसिक रूप से तैयार होकर परीक्षा देना होगा। इन अभिभावकों का कहना है कि हर साल मेडिकल परीक्षा में अनियमितता से परीक्षा एजेंसी की विश्वनीयता कम हो रही है। मेडिकल प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय स्तर पर न होकर राज्य स्तर पर होना चाहिए। परीक्षा रद्द होने से अभिभावकों एवं छात्रों में निराशा की भावना आ गई है। पुनः नीट परीक्षा के लिए नई तारीखों का ऐलान भी नहीं किया गया है। जिससे छात्रों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

गायत्री महायज्ञ को लेकर 22 को महा बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ फिंगेश्वर

गायत्री मंदिर फिंगेश्वर में अखिल विश्व गायत्री परिवार के सदस्यों का अति आवश्यक बैठक हुआ जिसमें फिंगेश्वर नगर में 108 कुंडी गायत्री महायज्ञ आगामी दिनों में करने पर निर्णय लिया गया।इसके साथ ही अनेक अन्य विषयों पर चर्चा कर निर्णय लिया गया। अखिल विश्व गायत्री परिवार के परम वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा का जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में पूरे देश एवं विश्व में गायत्री महायज्ञ के साथ-साथ अनेक रचनात्मक कार्यक्रम व्यक्ति निर्माण एवं विश्व के कल्याण के लिए किया गया जिनके तहत फिंगेश्वर नव चेतना गायत्री मंदिर के सदस्यों ने भी माता भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी उत्सव के तहत अनेक स्थानों पर गायत्री महायज्ञ एवं वृक्षारोपण एवं अन्य

रचनात्मक कार्यक्रम किए हैं और आगे भी अखिल विश्व गायत्री परिवार के निर्देशानुसार अनेक कार्यक्रम का आयोजन होता रहेगा।उक्त बैठक में प्रमुख रूप से संयोजक एचएल साहू, सहसंयोजक जगदीश साहू, युग पुरोहित परमानंद यादव, रामू राम साहू, रोशन देवांगन, घनाराम साहू, अशोक साहू, चिंताराम साहू, धनवंतरी सिन्हा पुजारी अर्जुन सिन्हा सहित अनेक सदस्य बैठक में उपस्थित थे। उक्त बैठक में संयोजक श्री साहू ने माता भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष में किए गए कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला।आगामी दिनों में शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देश एवं मार्गदर्शन पर माता भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष को लेकर फिंगेश्वर नगर में 108 कुंडी गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जाएगा। सदस्य रामू राम साहू एवं परमानंद यादव ने बताया कि 108 कुंडी गायत्री महायज्ञ की तैयारी एवं अन्य गतिविधियों के संबंध में फिंगेश्वर ब्लॉक के समस्त गायत्री परिजनों का बैठक 22 मई को गायत्री मंदिर फिंगेश्वर में 11.00 बजे से भव्य बैठक आहूत किया गया है जिसमें पूरे गायत्री परिवार के सदस्य एवं जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। जगदीश साहू ने कहा कि शांतिकुंज हरिद्वार से आने वाले अन्य निर्देशों का भी पालन गायत्री परिवार फिंगेश्वर के सदस्यों द्वारा किया जाएगा।सभी सदस्यों ने भव्य 108 कुंडी गायत्री महायज्ञ फिंगेश्वर में करने का निर्णय लिया है जिसके लिए सभी सदस्य कार्योंर् को गति देने के लिए कमर कसकर तैयार हो गए हैं। गायत्री परिवार फिंगेश्वर के द्वारा सन 19,91,92 में भव्य आयोजन किया गया था। आने वाले 108 कुंडी गायत्री महायज्ञ को यादगार बनाने और व्यक्ति निर्माण,विश्व निर्माण एवं समाज निर्माण के साथ-साथ मानव कल्याण के उद्देश्य को लेकर महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा।

तीन बार पानी छोड़े जाने के बाद भी सिकासार बांध 46% भरा, खरीफ सीजन के लिए किसान निश्चिंत

नदी में पानी छोड़ने और राजिम कुंभ में उपयोग के बावजूद बांध में 115 एमसीएम जल शेष

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

भीषण गर्मी बढ़ती पेयजल जरूरतों और सिंचाई के दबाव के बीच गरियाबंद जिले के किसानों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। जिले की जीवनदायिनी सिकासार बांध में वर्तमान समय में 46 प्रतिशत जलभराव बना हुआ है। खास बात यह है कि खरीफ़ सीजन में सिंचाई, राजिम कुंभ कल्प मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा और गर्मी में निस्तारी व पेयजल संकट से निपटने के लिए जनवरी से अब तक तीन बार पैरी नदी में पानी छोड़े जाने के बावजूद बांध में पर्याप्त जल भंडारण सुरक्षित है। जल संसाधन विभाग का कहना है कि मौजूदा जल उपलब्धता को

देखते हुए आगामी वर्षा ऋतु में यदि सामान्य से कम बारिश भी होती है तब भी किसानों को सिंचाई को लेकर ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। जल संसाधन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2025-26 में सिकासार बांध अपनी पूर्ण क्षमता के साथ लगभग 200 एमसीएम (मिलियन घन मीटर) जल से भरा हुआ था। इसी जल का उपयोग पूरे वर्ष विभिन्न आवश्यकताओं के लिए किया गया। वर्तमान में बांध में लगभग 115 एमसीएम जल संग्रहित है, जो कुल क्षमता का करीब 46 प्रतिशत है। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक यह स्थिति आने वाले खरीफ़ सीजन के लिए काफी संतोषजनक है।

खरीफ सीजन के लिए वरदान साबित होगा बांध- गरियाबंद जिले के छुरा, राजिम, फिंगेश्वर, कोपरा, पाण्डुका और गरियाबंद क्षेत्र के हजारों ⏭शेष पेज 11 पर

सरकार से गुहार- मेरे बच्चे को बचा लो, भटक रहा इलाज के लिए

3 साल से बिना मलद्वार के जीने को मजबूर है कमार मासूम

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

विशेष पिछड़ी आदिवासी कमार जनजाति के लोगों को राष्ट्रपति का दत्तक पुत्र कहा जाता है और इनके विकास और उत्थान के लिए राज्य व केन्द्र सरकार द्वारा अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित करने की दावा करते थकती नही सरकार और तो और पीएम जनमन योजना के तहत कमार जनजातियों को समाज के मुख्यधारा में लाने के लिए कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं इन सबके बावजूद गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखण्ड मैनपुर क्षेत्र में कमार जनजाति के लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। यह कहना कोई गलत नहीं होगा क्योंकि तहसील मुख्यालय मैनपुर से महज 08 किमी दूर ग्राम बेहराडीह में एक गरीब कमार

परिवार अपने तीन वर्षीय बच्चे के इलाज के लिए पिछले तीन वर्षों से दर-दर की ठोकरे खा रहे हैं स्थानीय अधिकारियों से लेकर कमार विकास अभिकरण के अधिकारी और जिले के कलेक्टर तक से फरियाद लगा चुके हैं लेकिन अब तक उन्हे हर जगह निराशा ही हाथ लगी है। अब गरीब कमार परिवार के माता पिता ने थक हारकर छत्तीसगढ़ प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री "यामबिहारी जायसवाल एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से गुहार लगाई है कि मेरे बच्चे का इलाज करावो सरकार। ग्राम पंचायत बोईरगांव के आश्रित ग्राम बेहराडीह में

निवास करने वाले फलेश नेताम एवं धनेश्वरी नेताम के पुत्र का जन्म आज से 03 वर्ष पहले मैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में हुआ था तो परिवार में खुशी की लहर दौड़ पड़ी लेकिन बच्चा युवराज जन्म से ही एनोरेक्टल मालफॉर्मेशन नाम की बीमारी से ग्रसित है बच्चे का मलद्वार जन्म से नहीं है। जन्म के बाद बच्चे को जिला अस्पताल रिफर किया गया और उसके बाद रायपुर ⏭शेष पेज 11 पर

खबर संक्षेप

पूर्व सरपंच ने सरकारी जमीन से उखाड़े पौधे गौशाला समिति ने की कार्रवाई की मांग

फिंगेश्वर। पूर्व पार्षद द्वारा पौधारोपण में शासकीय जमीन में लगे पौधों को जेसीबी मशीन से उखाड़कर खेत बनाकर धान बुआई कर रहा है। शिकायत होने के बाद भी फिंगेश्वर तहसीलदार के द्वारा किसी प्रकार से कार्यवाही नहीं किए जाने पर पंचकोशीय धाम गौशाला के संरक्षक डॉ. चंद्रशेखर हरित ने शासन से कार्यवाही करने की मांग

की है। उन्होंने बताया कि यह मामला 2024 का है जिसमे एक पूर्व पार्षद मुनीम पाड़े के द्वारा पंचकोशिय धाम गौशाला के पास शासकीय जमीन जिसमे नीम एवं पीपल के 3 पौधे रोपित थे उसे जेसीबी मशीन से उखाड़कर उसे समतल कर खेत बना लिया गया है। इस बात की शिकायत की गई तो पटवारी के द्वारा मौका जांच किया गया जिसमें पाया गया कि आवेदक के द्वारा सही जानकारी दी गई है और मुनीम पाड़े के द्वारा पेड़ों को उखाड़कर उसे खेत बना लिया गया है। पटवारी जांच के बाद इस मामले में किसी प्रकार से कोई कार्यवाही नहीं की गई है जबकि पौधों का नष्ट करना और शासकीय जमीन को कब्जा करना अपराध के श्रेणी मे आता है। गौशाला समिति ने फिंगेश्वर तहसीलदार को फिर एक बार इस प्रकरण की जांच कर कार्यवाही करने की मांग की है। वहीं पर नगर पंचायत को भी मामले मे संज्ञान लेकर कार्यवाही करने की अपील गौशाला समिति की ओर से की गई है।

खाद संकट से किसान परेशान : इंद्रजीत

कोपरा। छत्तीसगढ़ प्रदेश में खरीफ सीजन की तैयारियां तेज हो गई हैं, लेकिन खाद की अनुपलब्धता ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जिला पंचायत सदस्य इंद्रजीत महाडिक ने खाद के लिए भटक रहे किसानों की समस्याओं को गंभीर बताते हुए सरकार से नए नियमों में शिथिलता लाने की मांग की है। इंद्रजीत महाडिक ने कहा कि जून माह में मानसून की दस्तक होने वाली है और किसान खेतों की तैयारी में जुट चुके हैं, लेकिन क्षेत्र की सहकारी समितियों की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकांश सोसायटियों में किसानों को एक बोरी खाद तक उपलब्ध नहीं हो पा रही है और समितियों के पास खाद की आवक को लेकर भी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि खाद की कमी के कारण किसान परेशान होकर निजी विक्रेताओं और खुले बाजार का रुख कर रहे हैं, जहां उन्हें कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। महाडिक ने बताया कि खाद विक्रेताओं द्वारा किसानों से अनिवार्य रूप से बी-1, नक्शा एवं खसरा दस्तावेज मांगे जा रहे हैं। यह प्रक्रिया न केवल जटिल है, बल्कि पहले से परेशान किसानों के लिए मानसिक तनाव का कारण भी बन रही है। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इन नियमों में तत्काल शिथिलता लाई जानी चाहिए, ताकि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके और खेती की तैयारियां प्रभावित न हों।

1 जुलाई से लागू होगी नई ग्रामीण रोजगार एवं आजीविका व्यवस्था

महासमुंद। केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास और रोजगार के क्षेत्र में बदलाव करते हुए विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 को 1 जुलाई 2026 से देशभर के ग्रामीण इलाकों में लागू करने की घोषणा की है। इस नई व्यवस्था के लागू होते ही मनरेगा योजना की जगह नया कानून प्रभावी हो जाएगा। नई योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को केवल मजदूरी आधारित रोजगार उपलब्ध कराना नहीं बल्कि गांवों में स्थायी विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। इसके तहत जल संरक्षण ग्रामीण आधारभूत संरचना आजीविका संवर्धन जलवायु अनुकूल कार्य और स्थानीय संसाधनों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार ने बताया कि नई व्यवस्था में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को साल में 125 दिनों तक रोजगार की गारंटी मिलेगी जो पहले 100 दिनों तक सीमित थी।

बच्ची को पिता का नाम दिलाने मां ने लगाई गुहार, पति ने आरोपों को नकारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

सुशासन तिहार में पारिवारिक विवाद

गरियाबंद जिले के माडागांव में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में उस समय एक भावुक और पेचीदा मामला सामने आया, जब फुलिमुड़ा निवासी एक महिला ने अपनी ढाई माह की बेटी को पिता का नाम और हक दिलाने के लिए प्रशासन से मदद मांगी। महिला ने अपने पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं, वहीं पति ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए मामले को नया मोड़ दे दिया है। मां ने कहा- बेटी पैदा होने के बाद इसके पिता देखने तक नहीं आए अब तक नहीं बनाया गया जन्मप्रमाण पत्र, ऊपर से तलाक की धमकी देते हैं। पति बोला ,अपने जीजा के साथ पहले कॉन्ट्रैक्ट मैरिज की। दूसरी कॉन्ट्रैक्ट मैरिज मेरे साथ, दोनों पर आरोप एक जैसे लगा रही। विगत 7 मई को माडागांव में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में फुलिमुड़ा में रहने वाली खुशबू ने एक आवेदन दिया जिसमें अपने पति पर प्रताड़ना के आरोप लगाई, बेटी पैदा होने के कारण उसे अपनाने और नाम नहीं देने का आरोप लगाकर कार्यवाही की मांग की है। खुशबू ने बताया कि बेटी को पैदा हुए ढाई माह हो गए हैं, घर पर सभी बेटा चाह रहे थे, बेटी पैदा होने के बाद उसके पिता अब तक न देखने आए हैं न ही जन्म प्रमाण पत्र बनवा रहें और न ही मुझे आधार कार्ड दे रहे हैं। खुशबू का आरोप है कि पति ईश्वर कश्यप अपना मोबाइल पर ब्लॉक कर रखे हुए हैं। खुशबू ने कहा कि बच्ची के टीकाकरण के लिए जन्म प्रमाण पत्र की आवश्यकता है, इसलिए सुशासन तिहार में मैने गुहार लगाई है। मै चाहती हुं कि मेरे पति बेटी को अपना ले और मुझे पत्नी का दर्जा दे। मामला संज्ञान में आने के बाद देवभोग पुलिस को मामले की जांच के लिए दिया गया है।थाना प्रभारी फैजुल शाह हुदा ने मामले की जांच के लिए महिला पुलिस के साथ एक जांच टीम बना दिया है।थाना प्रभारी ने कहा कि दोनों पक्षों से संपर्क कर पक्ष जानने के बाद आगे उचित कार्यवाही करेंगे।

अपने जीजा के साथ की घटना की पुनरावृत्ति कर रही है

ईश्वर काश्यप ने आरोपी को सिरे से खारिज किया है। बताया कि मेरे माता- पिता के देख रेख में मेरे ही घर पर रह रही है। किसी प्रकार की तकलीफ नहीं है। बच्चों के भरण पोषण के लिए मै अपने काम में व्यस्त हुं। मेरी एक बच्ची का भी अब तक जन्म प्रमाण पत्र नहीं बना पाया हुं। फुर्सद मिलते ही दोनों का बनाऊंगा। ईश्वर कश्यप ने बताया कि 2017 में पहले भी यह अपने जीजा के साथ कॉन्ट्रैक्ट मैरिज की थी, उसके दीदी के दखल के बाद लेन देन कर छोड़ दी। मैं शादी शुदा हुं यह जानते हुए भी मेरे साथ अटैच हुई है।

नवंबर 2025 में हुआ कॉन्ट्रैक्ट मैरिज

खुशबू ने बताया कि ईश्वर कश्यप के साथ करीबन ढाई साल से अफेयर था, ईश्वर शादी शुदा है दो बेटियों के पिता है यह जानते हुए भी खुशबू ने नवंबर 2025 में कॉन्ट्रैक्ट मैरिज किया। खुशबू बताती है कि उस समय पेट में 8 माह का गर्भ पल रहा था। फिलहाल खुशबू पति ईश्वर कश्यप के घर में रहती है। ईश्वर के माता- पिता उसकी देख रेख कर रहे हैं। रेस्टोरेंट कारोबार होने के कारण ईश्वर देवभोग में किराए के मकान में पहले पत्नी और बच्चों के साथ रहता है।

अभियान : 800 परिवारों ने ली जल बचाने की शपथ

कौंदकेरा के नन्हे जल प्रहरियों ने पेश की मिसाल घर-घर जाकर जगा रहे जल संरक्षण की अलख

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोपरा

पृथ्वी पर पानी की मात्रा सत्तर प्रतिशत है परंतु पीने योग्य पानी मात्र तीन प्रतिशत ही उपलब्ध है। भीषण गर्मी की शुरुआत के साथ ही अधिकांश स्थानों में जल संकट गहराने लगा है, ऐसे में गरियाबंद जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कौंदकेरा के विद्यार्थियों ने एक अनूठी मिसाल पेश की है। जल जीवन अभियान के तहत ये छात्र छात्राएं जल प्रहरी बन अपने गृह ग्राम के जन मानस को पानी की एक-एक बूंद की महत्व समझा रहे हैं। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कौन्दकेरा के व्याख्याता मीनाक्षी शर्मा एवं सतीश मालवीय के मार्गदर्शन में विद्यालय के कल्पना विज्ञान क्लब एवं अटल टिंकरिंग लैब कौन्दकेरा के छात्र-छात्राओं ने कमर कस ली है। विद्यालय के बच्चों की अलग-अलग टोलियां बनाई गई हैं, जो सुबह और शाम कौंदकेरा, भैंसातरा, रोहिना, टेका, सेमराडीह, तरीघाट आदि ग्रामों की गलियों में दस्तक दे रहे हैं। उनके हाथों में जल प्रतिज्ञा के पोस्टर हैं और वे ग्रामीणों से सीधा संवाद कर रहे हैं।

ग्रामीणों की चिंता और बच्चों का प्रयास

गांव के बुजुर्गों का कहना है कि पहले 20-25 फीट पर पानी मिल जाता था, लेकिन अब 200 फीट तक बोरवेल खुदाई करने पर ही जल स्रोत मिलता है। गिरते जल स्तर को देखते हुए ग्रामीणों ने बच्चों की इस पहल का स्वागत किया और शिक्षकों के इस पहल की सराहना करते हुए व्यर्थ पानी न बहाने का वादा किया है। विद्यालय के शिक्षकों एवं छात्र छात्राओं के इस प्रयास पर प्राचार्य एम आर रात्रे ने कहा की इस अभियान से बच्चों में नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास हो रहा है।

छात्र ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ दिला रहे

पानी की बर्बादी रोकना। उपयोग के बाद नल तुरंत बंद करना। घरों में पानी का सीमित और समझदारी से उपयोग। दूसरों को भी जागरूक करना। अभियान की शुरुआत 30 अप्रैल को बी एस उईके कलेक्टर जिला गरियाबंद द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय गरियाबंद के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी के जल प्रतिज्ञा से हुई और अब तक 800 से अधिक परिवारों ने जल बचाने का संकल्प लिया है। इस अभियान की संयोजिका एवं विद्यालय के विज्ञान क्लब प्रभारी व्याख्याता मीनाक्षी शर्मा ने बताया कि बच्चों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है कि वे ग्रामीणों को कूलर की टंकी, ओवरफ्लो और टपकते नलों जैसी छोटी लेकिन गंभीर समस्याओं के प्रति कैसे जागरूक करें। क्षेत्र में चलाए जा रहे इस अभियान असर भी दिख रहा है कई घरों में खराब पाइप सुधरवाए गए हैं और नलों में टोटी लगाई गई है।

5वीं-8वीं बोर्ड परीक्षा के नाम पर वसूली ब्लॉक कांग्रेस ने जांच के लिए सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोपरा

विकासखंड फिंगेश्वर में केंद्रीयकृत कक्षा 5वीं एवं 8वीं बोर्ड परीक्षा के नॉमिनल रोल तैयार करने के नाम पर कथित अवैध वसूली का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी फिंगेश्वर ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच एवं कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी फिंगेश्वर के अध्यक्ष रूपेश कुमार साहू के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि विकासखंड शिक्षा विभाग के माध्यम से संकुल समन्वयकों और विद्यालयों पर नॉमिनल रोल फॉर्म तैयार करने के नाम पर आर्थिक दबाव बनाया गया तथा विद्यालयों से 150 रुपये से 300 रुपये तक राशि वसूले जाने की शिकायतें सामने आई हैं। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने कहा कि शासन स्तर पर परीक्षा कार्य के लिए पहले से बजट उपलब्ध होने के बावजूद इस प्रकार की वसूली पूरी तरह नियम विरुद्ध है और भ्रष्टाचार की श्रेणी में आती है। इसके बाद भी मामले को गंभीरता से नहीं लिया जाना प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है। ज्ञापन में मांग की गई है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान होरीलाल वर्मा, रमेश साहू, धर्मवीर, योगेश्वरी साहू, भुवनेश्वरी बंजारे, हिमेश्वरी साहू, थनेश्वर बंजारे, देवेंद्र साहू, सोनू मिरी, हसमन भारती एवं गुनेश साहू सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर स्वास्थ्यकर्मियों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ फिंगेश्वर

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र फिंगेश्वर में एसबीआई लाइफ इंसोरेंस के अधिकारी चेतन कुमार ने नर्सो को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस है मै आप लोगों को सेल्युट करता हूं। आप लोगों के सेवा से अस्पताल में मरीजों को जहां ताकत मिलती है। वहीं पर उनके परिवार को संबल के साथ साथ पारिवारिक वातावरण मिलता है जिससे मरीज सहित उनका परिवार अपना इलाज बेहतर तरीके से अस्पताल मे रहते हुए करा लेता है और स्वस्थ होकर अपने घर लौट जाता है। इस प्रकार आप सभी लोगो के सेवा एवं समर्पण की भावना से किया गया मरीजों का देखभाल समाज मे एक उत्कृष्ट स्थान बनाता है।आप लोगो के अमूल्य योगदान एवं निःस्वार्थ सेवा के लिए हम हार्दिक सम्मान एवं अभिनंदन करते हैं। एलआईसी अधिकारी लोकनाथ साहू ने कहा कि बीमारी की जितनी भी गंभीर हो उसे ठीक होने मे समय लगता है उसी प्रकार नर्सो की देखभाल एवं सेवा निःस्वार्थ हो तो मरीज भी जल्दी स्वस्थ हो जाता है।मरीज को ताकत देने का कार्य हमारी बहने नर्से करती हैं।वे कहती है आप जल्दी ठीक हो जायेंगे? समय पर दवा लेते रहे। डॉक्टर के निर्देशों का पालन करते रहे तो आप ज्यादा दिन अस्पताल मे नहीं रहेंगे। इस अवसर पर नर्सो को प्रशस्ती पत्र प्रदान किया गया जिसमे धरमवती वर्मा, आशा पोद्दार, अनिता साहू, हेमा बघेल, सुधा नायक, सत्यवती दिवाकर, खुशबू साहू सहित डॉ. मनोज कुमार आदि उपस्थित थे।

हरिहर स्कूल में 1996 बैच के गुरु-शिष्य का मिलन समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवापारा-राजिम

शासकीय हरिहर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के 1996 बैच के गुरू-शिष्य का मिलन समारोह प्रेमरतन पैलेस में हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में पूर्व छात्र अपने परिवार सहित शामिल हुए। समारोह की शुरूआत राजकीय गीत से हुई। इसके बाद गुरुजनों का ढोल-नगाड़ों एवं पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया गया। पूर्व शिक्षक आरएन तिवारी, आरबी शर्मा, यूके चक्रवर्ती, एसके राठौर, ज्योति चक्रवर्ती, एनके शर्मा, आर ए शर्मा ,बीडी शर्मा ने अपने पुराने शिष्यो को आशीर्वचन दिया। इस अवसर पर शिक्षकों ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए जीवन में संस्कार, अनुशासन और पारिवारिक मूल्यों को बनाए रखने की सीख दी। आरएन तिवारी ने कहा कि शिक्षक का वास्तविक उत्तराधिकारी वही छात्र होता है, जो उसके ज्ञान और संस्कार को आगे बढ़ाता है। आरबी शर्मा ने विद्यार्थियों के सम्मान और आत्मीयता को हरिहर स्कूल की संस्कृति बताया। कार्यक्रम में एआर साहू, आरएल साहू, ग्वाल सर, अल्का सिंह, चौहान मैडम, गुप्ता मैडम, मीना गुप्ता और दीपिका सिंह की उपस्थिति रही। सभी शिक्षकों का सम्मान शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंटकर किया गया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गीत, संगीत, हास्य और माउथ ऑर्गन की प्रस्तुतियां दी गईं। मंच संचालन गजेन्द्र साहू और विवेक झाबक ने किया। गजेन्द्र साहू ने छत्तीसगढ़ी शैली में संचालन करते हुए हरिहर नाम का धार्मिक महत्व भी बताया। 1996 बैच ने समाज को 3 साइंटिस्ट, 5 इंजीनियर, 2 सीए, 16 शिक्षक, 2 पत्रकार और 1 वकील दिए हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी पूर्व छात्र हरिहर स्कूल पहुंचे और पुराने दिनों की स्मृतियों को साझा किया। पूरे कार्यक्रम में 1996 से आए है, 2026 में छाए हैं स्लोगन की धूम रही। हरीश जगवानी, पीयूष गुप्ता, संतोष तिवारी, सुरेंद्र बेद,अभिषेक जैन, तामेश्वर पाठक, अजय जैन, अजय मध्यानी, मनोज साहू कुर्रा, मनोज साहू चिपरीडीह, चंद्रेश सोनी, भरत मेघवानी, किशोर साहू, जीवन सेवानी, प्रमोद पारख, पूरण लालवानी, अनिल जैन, अनिल छाबड़ा, दीपक गुप्ता, जीवन प्रदीप, डोमन साहू, नरेश, कैलाश धावक, खेमलाल साहू शामिल थे।

पर्यवेक्षण के लिए तीन सदस्यीय उड़ानदस्ता दल का गठन

व्यापम परीक्षा 14 को,132 परीक्षार्थी होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा 14 मई 2026, गुरुवार को आयोजित परीक्षा के लिए जिला मुख्यालय गरियाबंद में कुल 132 परीक्षार्थी शामिल होंगे। व्यापम को प्राप्त ऑनलाइन आवेदन के अनुसार जिले में परीक्षा संचालन हेतु शासकीय वीर सुरेन्द्रसाय महाविद्यालय में एक परीक्षा केन्द्र बनाया गया है।

कलेक्टर श्री बीएस उइके ने परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर सुश्री नेहा भेड़िया को नोडल अधिकारी तथा सहायक अधीक्षक श्री चौतराम कोडप्पा को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही तीन सदस्यीय जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल का भी गठन किया गया है। परीक्षार्थियों से कहा गया है कि वे अपना प्रवेश पत्र इंटरनेट से डाउनलोड कर साथ लाएं तथा पहचान सत्यापन के लिए वोटर आईडी, आधार कार्ड, ई-आधार, पेनकार्ड अथवा ड्राइविंग लाइसेंस की मूल प्रति साथ रखें। मूल पहचान पत्र के अभाव में परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा 10:00 बजे से दोपहर 1:15 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार सुबह 9:30 बजे बंद कर दिया जाएगा। जिसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं मिलेगा। अभ्यर्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम दो घंटे पूर्व केन्द्र पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं ताकि फ्रिस्किंग एवं पहचान सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की जा सके। व्यापम द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार अभ्यर्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा केन्द्र पहुंचना होगा। काले, गहरे नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून, बैंगनी एवं गहरे चॉकलेटी रंग के कपड़े पहनना प्रतिबंधित रहेगा। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक पहनने वाले अभ्यर्थियों को अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरना होगा।

परीक्षार्थियों के लिए ड्रेस कोड और पहचान पत्र अनिवार्य

परीक्षा केन्द्र में मोबाइल, कैलकुलेटर, डिजिटल घड़ी, संचार उपकरण, पर्स, पाउच, बेल्ट, स्कार्फ, टोपी तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामग्री ले जाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। अभ्यर्थियों को केवल काले अथवा नीले बॉल प्वाइंट पेन के साथ परीक्षा केन्द्र आने की अनुमति होगी। परीक्षा में अनुचित साधनों का उपयोग करने पर अभ्यर्थिता समाप्त करने सहित कठोर कार्रवाई की जाएगी।

आदिवासी राजगोंड समाज की वार्षिक अधिवेशन 24 को

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

जिला गरियाबंद के अंतर्गत छुरा परिक्षेत्र में अष्टवर्गीय राजगोंड समाज का महासभा अधिवेशन 24 मई दिन रविवार स्थान ग्राम सेहरापानी (मलियार) में आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम के मुख्या होंगे चंद्रशेखर नागवंशी, अध्यक्षता करेंगे कोया भूमकाल क्रांति सेना, विशेष अतिथि के रूप में संयोजक अश्विनी कागे , प्रदेश सहसचिव सर्व आदिवासी समाज संदीप सलाम बस्तर संभाग, सामाजिक कार्यकर्ता संतोष इन्दवार इंजीनियर सरगुजा संभाग आदि आमंत्रित अतिथियों का उपस्थिति इस आयोजन में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से आदिवासी संवैधानिक अधिकार के जानकार, प्रमुख प्रवक्ता,प्रशिक्षक, के साथ भारतीय संविधान प्रदत्त आदिवासी समुदाय के पांचवीं अनुसूची,पेसा कानून, सामुदायिक वन अधिकारी, गोंड समुदाय संस्कृति परंपरागत धरोहर,जल जंगल जमीन, अनुसूचित जनजाति अधिकारी एवं सुरक्षा के साथ अन्य विषयों पर आमंत्रित अतिथियों द्वारा मंच के माध्यम से अपने अपने विचार व्यक्त करेंगे। यहां वार्षिक अधिवेशन में कोया - पूनेम सामाजिक व्यवस्था रुढ़ी प्रथागत पर आदिवासी पहचान पर विशेष रूप से चर्चा परिचर्चा समाज के प्रमुखों द्वारा किया जाएगा। इस वार्षिक अधिवेशन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए 11 मई को क्षेत्र के समाज पदाधिकारी, समाज प्रमुखों और कार्यकारिणी सदस्य गण ग्राम मलियार में बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की रुपरेखा एवं संपूर्ण व्यवस्थाओं को लेकर बैठक संपन्न हुआ। इस दौरान समाज के संरक्षक विद्याधर नागेश, उपाध्यक्ष बिसाहू जगत, सलाहकार संतराम मरकाम,लालधर मरकाम, कोषाध्यक्ष रतन सोरी, पूर्व सचिव एवं केन्द्र सभा झरगाव के मीडिया प्रभारी भुवेन्द्र मरकाम, खेमसिंह मरकाम, सचिव वरूण जगत, संचालक गुलाब सिंह मरकाम, सभापति बालकराम मरकाम, शोभित राम, राजाराम, समाज प्रमुख कदम मांझी, दुर्वास नेताम, चैन सिंह, मूलचंद सोरी, सुलोचना, नूरपति, दुलेश्वरी, पार्वती, देवकी,भुलाई, फिरन्तीन सहित समाज के सभी सदस्यगण मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

तालाब लीज के लिए मछुआरा समाज ने सौंपा ज्ञापन

नवापारा-राजिम। नगर पालिका क्षेत्र में तालाबों की लीज प्रक्रिया शुरू कराने की मांग को लेकर महानदी मत्स्य सहकारी समिति ने मछुआ कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष लखन लाल धीवर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देने वालो में भाजपा मछुआ प्रकोष्ठ की प्रदेश सहसंयोजक प्रेमलता निषाद, जिला कार्यकारिणी सदस्य प्रेमिन निषाद ,अध्यक्ष माखन निषाद, सचिव नागेन्द्र निषाद, कैलाश निषाद, शंकर निषाद, धनेन्द्र निषाद, लीला निषाद व धनंजय निषाद शामिल थे। समाज के अध्यक्ष माखन निषाद ने बताया कि विगत 10 वर्षों से मछुआरा समाज अपने परंपरागत मत्स्य पालन व्यवसाय से वंचित है, जिससे सैकड़ों परिवार आर्थिक तंगी झेल रहे हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि नगर में 5 से 6 शासकीय तालाब खाली पड़े हैं। इनका उपयोग न होने से शासन को राजस्व हानि हो रही है और समाज बेरोजगारी की मार झेल रहा है। समिति द्वारा इस संबंध में पालिका प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया है।

धरती पर सबसे बड़ा संकट जल संकट : वीरेन्द्र साहू

सुरसाबांधा। लगातार बढ़ती भीषण गर्मी, सूखते जलस्रोत और गिरते भूजल स्तर ने आज पूरे समाज को चिंता में डाल दिया है। मौसम में हो रहे लगातार बदलाव और तापमान में रिकॉर्ड वृद्धि ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि समय रहते जल और पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को भारी संकट का सामना करना पड़ेगा।

इसी विषय को लेकर भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं मन की बात जिला प्रभारी वीरेन्द्र साहू ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए जल और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया है। कहा कि आज धरती पर सबसे बड़ा संकट जल संकट के रूप में सामने खड़ा है। गांवों के तालाब, कुएं और नदियां धीरे-धीरे सूखने की कगार पर पहुंच रहे हैं। भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है, जिससे खेती-किसानी, पशुपालन और आम जनजीवन पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है केवल एक नारा नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की सबसे बड़ी सच्चाई है। यदि जल नहीं रहेगा, तो जीवन की कल्पना भी संभव नहीं होगी। वर्तमान समय में हर नागरिक की जिम्मेदारी बनती है कि वह जल की हर बूंद का सम्मान करे और उसके संरक्षण के लिए अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे।

समस्या : बोईरगांव से ठेमली पथरीं मार्ग में वाहन चलाना तो दूर पैदल चलना मुश्किल

करोड़ों खर्च के बाद भी नुकीली गिट्टियों में तब्दील पीएम सड़क, ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखंड मैनपुर क्षेत्र मे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यो में गुणवत्ता को लेकर हमेशा से सवाल उठती रही है कई सड़क करोड़ो रुपए खर्च करने के बावजूद घटिया निर्माण के चलते समय से पहले जगह जगह से उखड़कर जर्जर हो चुका है। इस ओर न तो निर्माण एजेंसी ध्यान दे रही है और न ही संबंधित विभाग के अफसर स्थानीय ग्रामीण लगातार सड़क मरम्मत की मांग को लेकर जिले के आला अफसर से लेकर विधायक सांसद मंत्री तक आवेदन निवेदन कर थक चुके है लेकिन ग्रामीणों के समस्याओं को गंभीरता से नही सुनने के कारण इन जर्जर हो चुके सड़को में राहगीरो को अपना जान जोखिम मे डालकर आना जाना करना पड़ रहा है। तहसील मुख्यालय मैनपुर से महज 07 किमी दूर ग्राम बोईरगांव से लेकर ठेमली पथरीं 08 किमी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत महज कुछ वर्ष पहले सड़क मरम्मत कार्य किया गया था सड़क मरम्मत कार्य में लाखो रुपए खर्च किए गए थे लेकिन यह सड़क महज 01 वर्ष के भीतर जगह- जगह से उखड़कर जर्जर हो गया है। सड़क में बड़े- बड़े गड्ढे हो गए हैं। सबसे ज्यादा परेशानी सड़क उखड़कर नुकीले गिट्टी में परिवर्तित हो गया है। सड़क के ऊपर चारो तरफ नुकीले गिटटी दिखाई दे रही है। धोखे से दोपहिया वाहन के चक्के इसके ऊपर चलते ही या तो वाहन चालक फिसलकर गिरकर घायल हो रहा है या तो वाहन के चक्के पंचर हो रहे है। ग्रामीण बेहद परेशान है लगातार इस सड़क में लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं।

गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों ने की शिकायत

जनपद सदस्य सुकचंद ध्रुव, पूर्व सरपंच सहदेव सांडे, रामसिंग नागेश, लालसिंग एवं क्षेत्र के ग्रामीणों ने बताया की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत इस सड़क का निर्माण कुछ वर्ष पहले किया गया था लेकिन सड़क निर्माण के साथ ही उसके गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों ने शिकायत किया। शिकायत पर ध्यान नहीं दिया गया जिसके कारण निर्माण वर्ष के एक वर्ष के भीतर यह सड़क जगह-जगह उखड़कर जर्जर हो गया। इस सड़क में बोईरगांव, ठेमली, पथरीं, कमारपारा के ग्रामीणों का आना जाना होता है सबसे ज्यादा परेशानी घटिया सड़क निर्माण के कारण पत्थर और गिट्टी उखड़ गए हैं जो काफी नुकिले हो गए जिसमें वाहन के पहिया चलते ही पन्चर हो रहा है या फिर फट जा रहा है। पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने बताया की कई बार जर्जर सड़क की मरम्मत की मांग कर थक चुके हैं लेकिन इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए कोई ध्यान नहीं दिया गया जिसके कारण अब इस क्षेत्र के ग्रामीण आंदोलन करने बाध्य होंगे जिसकी सारी जवाबदारी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क विभाग एवं शासन प्रशासन की होगी।

केडीआमा रमनपुर स्थापना दिवस पर उमड़ेगा जनसैलाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

केडीआमा रमनपुर में प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला स्थापना दिवस इस वर्ष विशेष आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है। धसकुड क्षेत्र में रामवनगमन से जुड़े प्रमाण मिलने के बाद गांव में उत्साह दोगुना हो गया है। 16 मई को पुनर्वास के बाद 20 वर्षों पश्चात केडीआमा रमनपुर एक बार फिर धार्मिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहचान को लेकर सुर्खियों में है। स्थापना दिवस समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। इस वर्ष स्थापना दिवस समारोह धसकुड धाम में आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार कार्यक्रम में क्षेत्र के स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्राम विकास में योगदान देने वाले लोगों का सम्मान किया जाएगा। गांव के पुनर्वास एवं विकास यात्रा को लेकर भी विशेष चर्चा की जाएगी। समारोह को लेकर गांव में व्यापक तैयारियां चल रही हैं। कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू के आगमन को लेकर ग्रामीणों एवं आयोजन समिति में भारी उत्साह है। विधायक के स्वागत हेतु ग्रामीणों द्वारा विशेष तैयारी की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि विधायक के आगमन से क्षेत्र के विकास एवं धार्मिक पर्यटन को नई पहचान मिलेगी। ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 1900 के अकाल के बाद केडीआमा (रमनपुर) विरान हो गया था। बाद में वर्ष 2006 में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में गांव का पुनर्वास कराया गया, जिसके बाद से प्रतिवर्ष स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। ग्रामीण आज भी गांव के पुनर्वास में उनके योगदान को महत्वपूर्ण मानते हैं।

भूतेश्वर नाथ धाम में गूंजा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का शंखनाद

रामायण और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

सोमनाथ मंदिर पर हुए आक्रमण के एक हजार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देशभर में मनाए जा रहे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व -2026 के तहत गरियाबंद जिले के विश्व प्रसिद्ध बाबा भूतेश्वर नाथ मंदिर परिसर में भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान रामायण, सांस्कृतिक प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। मंदिर परिसर में देर शाम तक भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का वातावरण बना रहा। आयोजन में उपस्थित लोगों ने नए भारत के निर्माण के साथ अपनी संस्कृति और स्वाभिमान को सहेजकर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष सोहन ध्रुरव ने कहा कि सोमनाथ का इतिहास भारत की आस्था, संघर्ष और आत्मसम्मान की अमर गाथा है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति और सनातन परंपरा ने हर कठिन समय में समाज को एकजुट रखने का कार्य किया है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास से जोड़ने और राष्ट्र के प्रति सम्मान की भावना मजबूत करने का माध्यम बनते हैं। उन्होंने युवाओं से अपनी संस्कृति, परंपरा और धार्मिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय गरियाबंद की संयोजक बहन बिंदु वर्मा ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक शक्ति ही उसकी सबसे बड़ी पहचान है। मुख्य अतिथि संत श्री रामानंद शरण महाराज ने कहा सोमनाथ का इतिहास केवल मंदिर का इतिहास नहीं, बल्कि भारत की अटूट आस्था और स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से धर्म, संस्कार और भारतीय संस्कृति को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत सीईओ श्री केएस नागेश, उपाध्यक्ष लेखराम साहू, पारागांव सचिव कीर्तन साहू, शत्रुघ्न साहू, अनुज ठाकुर सहित जनपद पंचायत की समस्त टीम उपस्थित रही। अध्यक्षता बाबा भूतेश्वर नाथ मरौदा के मुख्य पुजारी रामधार ध्रुव ने की।

रवेली में समर कैंप, ताराचंद निषाद दे रहे प्रशिक्षण, विधायक ने किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुरसाबांधा

तारा एथलेटिक अकेडमी रवेली में आयोजित समर कैंप में बच्चों और युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। प्रतिदिन प्रातः 5 बजे से 7 बजे तक चलने वाले इस प्रशिक्षण शिविर में बड़ी संख्या में बच्चे एवं युवा भाग लेकर खेलकूद, दौड़, योग, रनिंग एवं एथलेटिक गतिविधियों का नियमित अभ्यास कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में खेल के प्रति बढ़ते रुझान को लेकर क्षेत्रवासियों में भी उत्साह का माहौल है। इस समर कैंप की सबसे खास बात यह है कि अकेडमी संचालक ताराचंद निषाद बच्चों को पूर्णतः निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उनका यह प्रयास क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक और मिसाल बन गया है। ताराचंद निषाद स्वयं एथलेटिक्स, खो-खो एवं क्रिकेट के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रह चुके हैं और वर्तमान में वे बच्चों एवं युवाओं को आर्मी, पुलिस एवं अन्य डिफेंस जॉब्स की फिजिकल तैयारी भी करवा रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को मॉर्निंग वॉक, योग, व्यायाम, रनिंग, स्टैमिना ट्रेनिंग एवं विभिन्न खेल गतिविधियों का अभ्यास कराया जाता है। ताराचंद निषाद का कहना है कि यदि स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से दूर रहना है तो दैनिक जीवन में खेलकूद, योग एवं व्यायाम को शामिल करना अत्यंत आवश्यक है। उनका उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को सही मार्गदर्शन देकर उन्हें खेल एवं रक्षा सेवाओं को आगे बढ़ाना है। इस सराहनीय पहल की जानकारी मिलने पर रोहित साहू ने तारा एथलेटिक अकैडमी के कार्यों की प्रशंसा करते हुए ताराचंद निषाद का सम्मान किया। विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में निःशुल्क प्रशिक्षण देकर बच्चों और युवाओं को खेल तथा अनुशासन की ओर प्रेरित करना अत्यंत सराहनीय कार्य है। उन्होंने हर संभव सहयोग देने की बात कहते हुए क्षेत्र में बहुत जल्द ओपन जिम की व्यवस्था कराने का आश्वासन भी दिया। क्षेत्र के युवाओं एवं अभिभावकों ने विधायक की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि इससे बच्चों को बेहतर खेल सुविधाएं मिलेंगी तथा ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा।

बोर्ड परीक्षा परिणाम सुधारने, 9वीं में प्रवेश परीक्षा लागू करने की मांग

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ में बोर्ड परीक्षा परिणामों में सुधार लाने और शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने बड़ा सुझाव दिया है। एसोसिएशन ने कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए अनिवार्य प्रवेश परीक्षा आयोजित करने, न्यूनतम उपस्थिति के कड़े नियम लागू करने तथा कमजोर छात्रों के लिए जिला एवं ब्लॉक मुख्यालयों में आवासीय उपचारात्मक स्कूल खोलने की मांग करते हुए सचिव स्कूल शिक्षा विभाग एवं संचालक लोक शिक्षण संचालनालय को ज्ञापन सौंपा है। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश सह सचिव विनोद सिन्हा ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा के नेतृत्व में भेजे गए पत्र में कहा गया है कि वर्तमान में कक्षा 8वीं के सभी छात्रों को बिना किसी शैक्षणिक मापदंड के कक्षा 9वीं में प्रवेश दे दिया जाता है। इससे हाई स्कूल स्तर पर ऐसे विद्यार्थी पहुंच जाते हैं जिनकी बुनियादी शैक्षणिक तैयारी कमजोर होती है, जिसका सीधा असर 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणामों पर पड़ता है। एसोसिएशन का कहना है कि यदि कक्षा 9वीं में प्रवेश के समय प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाए, तो केवल शैक्षणिक रूप से सक्षम छात्रों को प्रवेश मिलेगा। इससे कक्षा में प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनेगा और शिक्षकों को बोर्ड परीक्षा की बेहतर तैयारी कराने में सुविधा होगी।

जोंक चिकित्सा का कमाल, महिला के सिर पर 3 माह में वापस आए बाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुड़ागांव (कोरासी)

शासकीय आयुर्वेद औषधालय रानीपरतेवा में आयुर्वेद की प्राचीन एवं विशिष्ट चिकित्सा पद्धति जलौकावचरण (जोंक चिकित्सा) के माध्यम से विभिन्न जटिल रोगों का सफलतापूर्वक उपचार किया जा रहा है। औषधालय में विशेष रूप से पुराने चर्म रोग, एलोपेसिया एरियाटा (बाल झड़ने की समस्या), ऑटोइम्यून विकार एवं अन्य दीर्घकालिक त्वचा संबंधी बीमारियों का प्रभावी उपचार किया जा रहा है। औषधालय की आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऐश्वर्या साहू ने बताया कि कई ऐसे चर्म रोग, जो धीरे-धीरे असाध्य स्वरूप धारण कर लेते हैं, उनमें भी जलौकावचरण विधि से सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जोंक के माध्यम से उपचार लोगों के बीच कौतुहल एवं आकर्षण का विषय बना हुआ है, वहीं आयुर्वेद में यह पद्धति हजारों वर्षों से वर्णित एवं प्रमाणित उपचार प्रणाली रही है। इसी संबंध में गरियाबंद निवासी 37 वर्षीय एक महिला, जो एलोपेसिया एरियाटा से पीड़ित थीं, कहीं से जलौकावचरण चिकित्सा के बारे में सुनकर शासकीय आयुर्वेद औषधालय रानीपरतेवा पहुंचीं। बीमारी के कारण उनके सिर के लगभग 30 प्रतिशत बाल धीरे-धीरे झड़ चुके थे। औषधालय में आयुर्वेदिक पद्धति एवं जलौकावचरण द्वारा नियमित उपचार प्रारंभ किया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए। मात्र तीन माह के उपचार के भीतर उनके बाल पुनः पूरी तरह से उग आए तथा उन्हें उल्लेखनीय लाभ प्राप्त हुआ। डॉ. साहू ने बताया कि औषधालय में आयुष्मान आरोग्य मंदिर के अंतर्गत हेल्थ एंड वेलनेस गतिविधियों का भी नियमित संचालन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से उच्च रक्तचाप (बीपी), मधुमेह (शुगर), वात रोग, लकवा एवं अन्य दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित मरीजों को निरंतर लाभ प्राप्त हो रहा है।

पेज 9 के शेष...

लो वोल्टेज और...

आया जब दृष्टिबाधित बालिका साक्षी यादव ने ऐ मेरे वतन के लोगों... गीत की सुरीली प्रस्तुति दी। साक्षी की आवाज ने पूरे पंडाल को तालियों से भर दिया। विधायक रोहित साहू इस प्रतिभा को देखकर भावुक हो गए और मंच से ही साक्षी की बेहतर शिक्षा के लिए 15 हजार रुपये की व्यक्तिगत सहायता राशि देने की घोषणा की।

700 आवेदन और सरकारी योजनाओं की सौगात- शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉलों पर कुल 700 आवेदन प्राप्त हुए। इस दौरान जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी वितरित किया गया। जागेश्वरी कंवर को 10 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। हितग्राहियों को उनके सपनों के घर की चाबियां सौंपी गईं। मत्स्य विभाग द्वारा आइस बॉक्स व जाल, आयुष्मान कार्ड, जॉब कार्ड और ट्रायसिकल बांटे गए। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत गरियाबंद कलेक्टर बीएस उइके, जिला पंचायत सभापति लेखराज ध्रुवा, जनपद अध्यक्ष मीरा ठाकुर और अन्य अतिथियों द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी एवं मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश साहू, मंडल अध्यक्ष खोमन चंद्राकर, राजू साहू, मनीष हरित, अवध साहू सहित भारी संख्या में ग्रामीण और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तीन बार पानी छोड़े...

किसान सिंचाई के लिए मुख्य रूप से सिकासार बांध पर निर्भर रहते हैं। बारिश कमजोर होने की स्थिति में भी किसान इसी बांध के पानी के भरोसे धान की खेती करते हैं और हजारों एकड़ कृषि भूमि में फसल लेते हैं। बीते महीनों में आयोजित राजिम कुंभ कल्प मेला के दौरान श्रद्धालुओं के स्नान और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए भी सिकासार बांध से पानी छोड़ा गया था। इसके अलावा भीषण गर्मी के कारण पेयजल और निस्तारी संकट से निपटने के लिए जनवरी से अब तक तीन अलग-अलग चरणों में पैरी नदी में पानी छोड़ा गया ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट कम किया जा सके। इसके बावजूद बांध में पर्याप्त जल का सुरक्षित रहना विभागीय प्रबंधन और स्थानीय सहयोग का सकारात्मक परिणाम माना जा रहा है।

बेहतर जल प्रबंधन की मिसाल- इस संबंध में जानकारी देते हुए जल संसाधन विभाग गरियाबंद के कार्यपालन अभियंता एस.के. बर्मन ने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों और किसानों के सहयोग से सिकासार बांध की सिंचाई व्यवस्था को लगातार सुचारु रूप से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा खरीफ़ सीजन में किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया गया राजिम कुंभ कल्प मेले के दौरान भी पानी छोड़ा गया और भीषण गर्मी में पेयजल एवं निस्तारी के लिए तीन बार पैरी नदी में पानी छोड़ा गया। इसके बावजूद सिकासार बांध में आज भी 46 प्रतिशत जलभराव बना हुआ है, जो जिले के लिए सुखद संकेत है। जल का संतुलित प्रबंधन किया जा रहा है, जिससे कम बारिश की स्थिति में भी किसानों को ज्यादा चिंता करने की आवश्यकता नहीं होगी। सिकासार बांध की मौजूदा स्थिति न केवल जिले के किसानों के लिए राहत की खबर है, बल्कि यह बेहतर जल प्रबंधन और भविष्य की तैयारी का भी मजबूत संकेत माना जा रहा है।

3 साल से बिना...

रिफर कर दिया गया लेकिन गरीब परिवार के पास पैसे की कमी के चलते उनका इलाज नहीं हो पाया और पेट के पास एक पाईप लगा दी गई।

युवराज के माता पिता फलेश नेताम एवं धनेश्वरी नेताम ने बताया कि उनके बच्चे का इलाज कराने के लिए मैनपुर जनपद के अधिकारियो से लेकर जिला चिकित्सा अधिकारी और कमार परियोजना एवं सहायक आयुक्त के अलावा जिले के कलेक्टर से फरियाद लगा चुके है सबको आवेदन दिया गया है लेकिन उन्हे सिर्फ आ"वासन मिला आज 03 वर्शो बाद भी बच्चे का इलाज नही हो पाया। कमार परिवार ने बताया वह बेहद गरीब है मेहनत मजदूरी के अलावा बांस बर्तन बनाकर जीविका उपार्जन करते है जिससे उनके परिवार के पांच सदस्यो का पालन पोशण करते है। इलाज के लिए अपने स्तर पर घर के छोटे मोटे समान को बेच बाचकर कोशिश किया गया लेकिन रायपुर के डॉक्टरो ने बताया पैसा अधिक लगेगा तो मां बाप थक हारकर अब छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री "यामबिहारी जायसवाल एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से इलाज के लिए गुहार लगाई है।

बच्चा भरपेट भोजन भी नहीं कर पाता तड़पता है- युवराज के माता पिता ने बताया उनके तीन वर्ष का बच्चा मलद्वार नहीं होने के कारण भरपेट भोजन भी नहीं कर पाता रात को बहुत तड़पता है। थोड़ा खाने पर मुंह से उल्टी कर देता है बच्चे को तड़पते देख माता पिता और मोहल्ले के लोग परेशान हो जाते है। ग्रामीण ने बताया की इन दिनों छत्तीसगढ़ सरकार के सुशासन तिहार चल रहा है हमारे बच्चे के तरफ सरकार ध्यान दे तो उसकी जीवन बच सकती है।

इलाज संभव है- मैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के बीएमओ डॉ. गजेन्द्र ध्रुव ने बताया की इसकी जानकारी आपके माध्यम से लगा है। मै पता करवाता हूँ। इसे एनोरेक्टल मालफॉरमेशन कहा जाता है और इसका इलाज संभव है।

बच्चे के इलाज के लिए सरकार मदद करें- जनपद सदस्य सुकचंद ध्रुव ने बताया की इस बच्चे के बीमारी के संबंध में मै स्वयं स्थानीय अधिकारियों से लेकर जिला अधिकारियों को अवगत करा चुका हूँ। कितना दुख की बात है कि विशेष पिछड़ी जनजाति कमार बच्चे के इलाज के लिए अब तक कोई मदद नहीं मिला। उन्होने कहा की छत्तीसगढ़ सरकार को चाहिए की इस बच्चे के इलाज कराने में मदद किया जाए।

खबर संक्षेप

सुशासन तिहार में 82 आवेदन मिले

राजिम। शहर के वार्ड नं 7 महामाया मंदिर रंगमंच के पास आयोजित सुशासन तिहार शिविर में नगरीय प्रशासन विभाग से संबंधित 15 आवेदन, राजस्व में 39, महिला एवं बाल विकास में 9, खाद्य 8, श्रम 3, विद्युत 3 एवं अन्य 5 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में विशेष रूप से नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव, नितेश भंवर उपअभियंता, नगर पालिका के सभी कर्मचारी एवं पार्षदगण मौजूद थे।

रोहित साहू की संवेदनशीलता ही उनकी असली पहचान : चंद्रशेखर

राजिम। विधायक रोहित साहू को लेकर जिला पंचायत के पूर्व सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू ने कहा है कि विधायक रोहित साहू एक बेहद सरल, संवेदनशील और जनता के सुख-दुख को समझने वाले जनप्रतिनिधि हैं। कहा कि विधायक के रूप में रोहित साहू लगातार क्षेत्र की जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं और उनके निराकरण के लिए हरसंभव प्रयास करते हैं। क्षेत्र में सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए वे लगातार प्रयास कर रहे हैं। यही कारण है कि आम जनता के बीच उनकी एक लोकप्रिय और जनसेवी विधायक की छवि बनी हुई है। विधायक रोहित साहू हमेशा जनता के हित और क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देते हैं।

नपा एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन कार्यक्रम जारी

महासमुंद। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम व उप निर्वाचन मई 2026 हेतु समय-अनुसूची (कार्यक्रम) जारी किया गया है। जिसके तहत जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत हेतु 11 मई 2026 पूर्वान्ह 10.30 बजे निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन एवं स्थानों (सीटों) के आरक्षण के संबंध में सूचना का प्रकाशन किया गया। साथ ही रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा मतदान केंद्रों की सूची का प्रकाशन एवं नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किया गया। नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 18 मई 2026 को अपरान्ह 3 बजे तक है। रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 19 मई 2026 को पूर्वान्ह 10.30 बजे से की जाएगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 21 जून 2026 अपरान्ह 3 बजे तक है तथा अभ्यर्थिता वापसी के बाद रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा निर्वाचन लडने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार करना, प्रकाशन करना और निर्वाचन प्रतीकों का आबंटन किया जाएगा।
नगरीय निकाय हेतु 1 जून 2026 को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक आवश्यकता होने पर मतदान किया जाएगा। रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा 4 जून 2026 को सुबह 9 बजे से मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा किया जाएगा।

उपज का उचित मूल्य न मिलने के कारण अन्नदाता खुद को ठगा सा कर रहे महसूस

मंडी में धान की बंपर आवक, किसान औने-पौने दाम पर उपज बेचने मजबूर

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

कृषि उपज मंडी राजिम में इन दिनों धान की भारी आवक के चलते पूरा मंडी परिसर हाऊसफुल नजर आ रहा है। धान कटाई के बाद दूर-दूर से किसान अपनी उपज लेकर मंडी पहुंच रहे हैं, लेकिन आवक बढ़ने के साथ ही धान के भाव में आई अप्रत्याशित गिरावट ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। किसानों का कहना है कि उनकी मेहनत और पसीने की कीमत इतनी कम लगाई जा रही है कि आंखों से आंसू निकलने लगे हैं। 40 से 42 डिग्री तापमान और भीषण गर्मी में किसान खेतों में मेहनत कर धान की पैदावार कर रहे हैं। कटाई के बाद धान को सुखाकर मंडी तक पहुंचाने में भी उन्हें भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। मंडी में दिनभर धूप की तपिश झेलते हुए किसान अपनी उपज के उचित मूल्य की उम्मीद लगाए बैठे रहते हैं, लेकिन नीलामी शुरू होते ही व्यापारी धान की बोली 1500 रुपए प्रति क्विंटल से शुरू करते हैं। धीरे-धीरे बोली बढ़ते हुए 1700 रुपए के आसपास पहुंचती है और कभी-कभार 1800 रुपए तक जाती है। मौसम की अनिश्चितता और भंडारण की समस्या के चलते किसान मजबूरी में कम कीमत पर ही धान बेचने को विवश हैं।

लागत बढ़ी, लेकिन उपज का मूल्य घटा

धान बेचने के लिए मंडी पहुंचे किसान रामनारायण साहू, गणेश साहू, बोधन देवांगन, धनेश साहू, रामप्यारी सहित कई किसानों ने बताया कि पिछले दो वर्षों में खेती की लागत लगातार बढ़ी है। हार्वेस्टर से धान कटाई का किराया बढ़ गया है, खाद, दवाई और कीटनाशकों के दाम 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। मजदूरी, कृषि यंत्रों और डीजल की लागत भी लगातार बढ़ रही है। इसके विपरीत किसानों की उपज का मूल्य लगातार गिरता जा रहा है। किसानों ने बताया कि तीन वर्ष पहले रबी सीजन में धान का भाव 2000 से 2400 रुपए प्रति क्विंटल तक मिल जाता था, लेकिन अब वही धान 1600 से 1700 रुपए में बिक रहा है। ऐसी स्थिति में किसानों के लिए खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। किसानों का कहना है कि सरकारें किसानों की आय दोगुनी करने का दावा तो करती हैं, लेकिन हकीकत में खेती की लागत कई गुना बढ़ चुकी है और उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है।

मंडी में जगह की कमी किसान परेशान

राजिम कृषि उपज मंडी में इन दिनों रोजाना हजारों कट्टा धान की आवक हो रही है। मंगलवार को मंडी में करीब 10 हजार कट्टा धान पहुंचा। धान की अधिक आवक को देखते हुए मंडी प्रशासन ने रोजाना एक फड़ छोड़कर बाकी सभी फड़ों में नीलामी कराने का निर्णय लिया है। मंगलवार को 1008 और 1010 किस्म के धान का भाव 1602 रुपए से लेकर 1800 रुपए तक रहा, जबकि महामाया धान भी लगभग इसी दर पर बिका। पतला धान 1700 रुपए से लेकर 2400 रुपए तक बिका। मंडी प्रशासन ने किसानों से व्यवस्था के अनुसार चरणबद्ध तरीके से धान विक्रय करने की अपील की है। हालांकि मंडी परिसर में किसानों की उपज से अधिक व्यापारियों द्वारा खरीदा गया धान जमा होने के कारण जगह की भारी कमी देखने को मिल रही है। कई किसानों को खुले में धान रखना पड़ रहा है, जिससे मौसम खराब होने की स्थिति में नुकसान की आशंका बनी हुई है। किसानों ने सरकार से धान का लाभकारी मूल्य तय करने, मंडियों में बेहतर व्यवस्था करने और बढ़ती खेती लागत के अनुरूप समर्थन मूल्य में वृद्धि करने की मांग की है।

प्रितम ने अमेरिका में लहराया परचम

आईटी कंपनी सर्विसेसनॉव में चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

नगर के लिए यह गर्व और गौरव का क्षण है कि यहां के होनहार युवक एवं सरस्वती शिशु मंदिर छुरा के पूर्व छात्र प्रितम शुक्ला ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है।

छुरा नगर निवासी तथा जनपद पंचायत से सेवानिवृत्त ग्रामीण विकास विस्तार अधिकारी धनंजय शुक्ला के पुत्र प्रितम शुक्ला का चयन अमेरिका की प्रसिद्ध आईटी कंपनी सर्विसेसनाव में हुआ है, जहां वे वर्तमान में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रितम शुक्ला ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर छुरा में कक्षा अरुण से लेकर दसवीं तक प्राप्त की। उस समय विद्यालय में केवल दसवीं तक की ही कक्षाएं संचालित होती थीं, इसलिए उन्होंने ग्यारहवीं एवं बारहवीं की शिक्षा स्थानीय विद्यालयों से पूरी की। विद्यालय के प्राचार्य संतोष वर्मा ने बताया कि प्रितम बचपन से ही चंचल, हाजिरजवाब, कुशाग्र बुद्धि एवं अनुशासित छात्र रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रितम की यह उपलब्धि विद्यालय और पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक है। बताया जाता है कि सर्विसेसनॉव एक बहुराष्ट्रीय सॉफ्टवेयर कंपनी है, जो क्लाउड कंप्यूटिंग तकनीकों और डिजिटल वर्कफ्लो समाधान के क्षेत्र में कार्य करती है। इस प्रतिष्ठित कंपनी में चयनित होने वाले प्रितम शुक्ला छुरा नगर के पहले युवक माने जा रहे हैं, जिन्होंने अमेरिका की नामी-गिरामी कंपनी में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। प्रितम की इस उपलब्धि से पूरे छुरा नगर एवं आसपास के क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। उनके परिवारजनों ने इसे वर्षों की मेहनत, संघर्ष और संस्कारों का परिणाम बताया।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, कंपनी की लापरवाही से हितग्राही परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुड़ागांव (कोरासी)

प्रधानमंत्री मुक्त सूर्य बिजली योजना अंतर्गत गांव-गांव में ठेकेदारों द्वारा सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। योजना के तहत कंपनियों के प्रतिनिधि घर-घर जाकर लोगों को सोलर पैनल लगवाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। लेकिन कई जगहों पर पैनल खराब होने के बाद शिकायतों का समाधान समय पर नहीं हो पा रहा है, जिससे हितग्राहियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम पिपराही निवासी रामलाल टांडे, पिता नाथूराम टांडे के घर पर रायपुर की जे डी ए कंपनी द्वारा 5 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल लगाया गया था। बताया गया कि सितंबर 2025 में सोलर सिस्टम लगाया गया था। कुछ महीने तक सिस्टम सही तरीके से चला, लेकिन पिछले 3-4 महीनों से सोलर सिस्टम का इन्वर्टर खराब पड़ा हुआ है, जिसके कारण पूरा सिस्टम बंद हो गया है।

सोलर पैनल बंद होने से उन्हें उनके घर का बिजली बिल 11 हजार 720 रुपये तक पहुंच गया है, जिससे परिवार चिंतित है। ग्रामीणों का कहना है कि योजना के तहत सोलर पैनल तो योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है और बिजली बिल लगातार बढ़ता जा रहा है। रामलाल टांडे ने बताया कि उन्होंने कई बार कंपनी और संबंधित लोगों से शिकायत की, लेकिन अब तक सुधार कार्य के लिए कोई नहीं पहुंचा। वर्तमान में लगाए जा रहे हैं, लेकिन बाद में तकनीकी खराबी आने पर कंपनियां जिम्मेदारी से बचती नजर आ रही हैं। लोगों ने प्रशासन से शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई और खराब उपकरणों की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है।

एनएचएम कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक मनाया डॉ महेश्वरी का जन्मदिन

महासमुंद। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सह जिला चिकित्सालय में उपसंचालक एवं अस्पताल अधीक्षक डॉ. बी. महेश्वरी का जन्मदिन मनाया गया। अस्पताल परिसर में आयोजित इस संक्षिप्त कार्यक्रम में कर्मचारियों ने कहा डॉ. महेश्वरी के कुशल नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और टीम वर्क में निरंतर वृद्धि हो रही है। डॉ. बसंत महेश्वरी ने सभी को सेवा भाव के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान डॉ निखिल गिरी गोस्वामी, राम गोपाल खूंटे, प्रवीण नागदेव, सुमन साहू व सहयोगी उपस्थित रहे।

कक्षा पहली में प्रवेश हेतु लॉटरी के दिनांक में संशोधन

महासमुंद। नगर के तुमाडबरी स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश स्कूल में शैक्षणिक सत्र- 2026 -27 के लिए कक्षा- पहली में प्रवेश हेतु छग लोक शिक्षण संचालनालय के आदेश अनुसार कक्षा पहली में प्रवेश हेतु नई समय सारणी जारी की गई है। अभिभावक 9 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर पाएंगे और कक्षा पहली में प्रवेश के लिए 13 मई को लॉटरी निकाली जाएगी। संबंधित जानकारी संस्था के प्राचार्य अमी रूफस के द्वारा दी गई।

जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल का बकली में हुआ स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

राजिम क्षेत्र के पोखरा में आयोजित सुशासन दिवस अवसर पर पहुंचे प्रदेश के खाद्य व जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल का रास्ते में पड़ने वाले ग्राम पंचायत बकली में प्रदेश उपाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ सतनामी समाज जनपद सदस्य प्रतिनिधि मुकेश भारती के नेतृत्व में सतनामी समाज एवं ग्रामवासियों द्वारा आत्मीय एवं भव्य आतिशी स्वागत किया गया। मंत्री जी जैतखाम में पूजा-अर्चना की यहां पर समाज के लोगो ने शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान ग्रामीणों एवं समाज प्रमुखों ने ग्राम पंचायत बकली के विभिन्न मूलभूत समस्याओं एवं विकास कार्यों को लेकर ज्ञापन सौंपा। यह जानकारी देते हुए जनपद सदस्य प्रतिनिधि मुकेश भारती ने बताया कि प्रमुख मांगों में सतनामी पारा महेंद्र मिरी घर से शीतला तालाब मुख्य मार्ग तक सड़क

निर्माण हेतु लगभग 20 लाख रुपये, बाबा गुरुघासीदास मंदिर जीर्णोद्धार हेतु 10 लाख रुपये तथा रोड साइड पार्क एवं ओपन जिम निर्माण के लिए 5 लाख रुपये की मांग किया। मंत्री श्री बघेल ने सभी मांगों पर सकारात्मक पहल करने तथा समस्याओं के शीघ्र निराकरण का भरोसा दिलाया। कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास एवं समाज की आवश्यकताओं को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर मंत्री जी के साथ राजिम विधायक रोहित साहू एवं राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू मौजूद थे। मंत्री जी का स्वागत करने वालो में गुरूजी डॉ आनंद मतावले, तहसील परिक्षेत्र सतनामी के पूर्व सचिव भागचंद चतुर्वेदी, विजय भारती, प्रीतम बंजारे ,घनश्याम दिवाकर, हरिचंद मिरी, लेखकचंद मल्होत्रा, जीतराम मिरी, टिकेश आदिल, सवल मिरी, ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष इंदरमन तारक, अमित मिरी, पूनम बंजारे,सहदेव बंजारे, रोशन डहरिया, थनेश्वर बंजारे, नागेंद्र निषाद, खिलेश शर्मा, देवप्रसाद बघेल, जगदीश हिरवानी, कामता साहू, नाथूराम आडिल, रामकुमार मिरी सहित महिला समूह, युवा समूह, सतनामी समाज एवं ग्राम पंचायत बकली के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में शामिल थे।

हैदराबाद में शिक्षक चंदूराम शिक्षा रत्न से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान समारोह का आयोजन हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित किया गया। इस सम्मान समारोह में विभिन्न प्रांतों से सम्मानित होने के लिए लोग आए हुए थे। जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य से जिला गरियाबंद विकास खंड छुरा के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला दुल्ला के शिक्षक और ग्राम मुजगहन पोस्ट सेजबहार जिला रायपुर के शिक्षक चंदुराम बघेल को राष्ट्रीय शिक्षा रत्न समता अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल वी के पोखरीयाल हैदराबाद, विशिष्ट अतिथि के रूप में

पद्मश्री अशोक कुमार हलधर हैदराबाद और कार्यक्रम के अध्यक्षता किया समता एकेडमी भारत के प्रांतिय अध्यक्ष डॉ. डीएस ताण्डेकर मंच पर उपस्थित थे। अवार्ड से सम्मानित शिक्षक चंदूराम बघेल ने कहा कि इस सम्मान को पाने का श्रेय अपने मार्गदर्शक शिक्षक लक्ष्मवीर बांधे और शिक्षक दुर्गेश बंजारे को दिया गया। जिसके अनुशंसा से यहां अवार्ड पाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

जैन सिंह के उपचार के लिए आगे आया ध्रुव गोंड़ समाज, सौंपी राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुड़ागांव(कोरासी)

आदिवासी ध्रुव गोंड़ समाज फिंगेश्वर राज 84 द्वारा समाज सेवक जैन सिंह ध्रुव ग्राम द्वारतरा निवासी के स्वास्थ्य उपचार के लिए 10,000 की सहयोग राशि उनकी पत्नी एवं पुत्र को प्रदान की गई। जैन सिंह ध्रुव लंबे समय से समाज सेवा में समर्पित भाव से कार्य करते आ रहे हैं। उनके सेवा भाव एवं समाज के प्रति योगदान को देखते हुए समाज द्वारा यह सहयोग राशि भेंट स्वरूप प्रदान की गई। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों में पन्नालाल ध्रुव (राज अध्यक्ष), पूरन सिंह ठाकुर (संरक्षक), भानु प्रताप ध्रुव (राज उपाध्यक्ष), गंगाराम नेताम (संगठन मंत्री),

केदार प्रसाद ध्रुव (ऑडिटर), मलेशु राम ध्रुव (महासचिव) सहित सर्किल अध्यक्षगण कोमन नेताम, कृष्ण कुमार ध्रुव, पुरानीक ध्रुव, शिवराम ध्रुव, माखन ध्रुव, तीजराम नेताम, बिसौहा कुंजाम, हेमलाल ध्रुव (सर्किल सचिव फिंगेश्वरी), यादराम ध्रुव एवं अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारी द्वारतरा स्थित उनके निवास पहुंचे और समाज द्वारा प्रस्तावित सहयोग राशि प्रदान कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए उनका हौसला बढ़ाया।

महानदी, पैरी और सोंढूर के त्रिवेणी संगम में बसती है सनातन आस्था की अदभुत छटा

राजिम-पद्मावती पुरी : जहां आस्था, संस्कृति और इतिहास का होता है दिव्य संगम

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

तीन जिले रायपुर, धमतरी और गरियाबंद की सीमाओं से जुड़ा राजिम-पद्मावती पुरी क्षेत्र आज पूरे छत्तीसगढ़ में धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आस्था के प्रमुख केंद्र के रूप में नई पहचान बना रहा है। महानदी, पैरी और सोंढूर नदियों के पावन त्रिवेणी संगम के कारण इस क्षेत्र को छत्तीसगढ़ का प्रयागराज कहा जाता है। विकासखंड मगरलोड, फिंगेश्वर, अभनपुर एवं थाना नवापारा क्षेत्र से जुड़े इस पवित्र धाम में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर संगम स्नान, पूजा-अर्चना एवं दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। राजिम में विराजमान भगवान श्री राजीव लोचन मंदिर क्षेत्र की सबसे प्राचीन एवं ऐतिहासिक धार्मिक धरोहरों में शामिल है। मान्यता है कि भगवान विष्णु के राजीव लोचन स्वरूप के दर्शन मात्र से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। मंदिर की अदभुत स्थापत्य कला एवं धार्मिक महत्व देशभर के श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। वहीं त्रिवेणी संगम के मध्य स्थित कुलेश्वर महादेव मंदिर भगवान शिव की अटूट आस्था का केंद्र माना जाता है, जहां श्रद्धालु संगम स्नान के बाद जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। राजिम क्षेत्र में स्थित भक्तिन माता मंदिर साहू समाज की आराध्य देवी के रूप में विशेष श्रद्धा और आस्था का केंद्र माना जाता है। प्रदेशभर से साहू समाज के लोग यहां पहुंचकर माता का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं तथा समाज की सुख-समृद्धि एवं उन्नति की कामना करते हैं। नवरात्रि एवं विशेष धार्मिक अवसरों पर भक्तिन माता मंदिर में विशाल धार्मिक आयोजन, पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन एवं कलश यात्रा का आयोजन होता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार भक्तिन माता मंदिर सामाजिक एकता, संस्कृति एवं आस्था का प्रतीक बन चुका है। इसके अलावा ऐतिहासिक मामा-भांचा मंदिर अपनी अनूठी स्थापत्य शैली एवं पौराणिक महत्व के कारण पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध है।

सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का संदेश

कहा जाता है कि इस मंदिर की निर्माण कला प्राचीन भारतीय संस्कृति और शिल्पकला की समृद्ध विरासत को दर्शाती है। क्षेत्र में स्थित सीताबाड़ी सहित अनेक धार्मिक एवं पौराणिक स्थलों को लेकर भी लोगों में गहरी श्रद्धा है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार वनवास काल के दौरान माता सीता से जुड़ी स्मृतियां इस क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं। वहीं कमल क्षेत्र पद्मावती पुरी, गणेश जी मंदिर तथा महानदी तट पर स्थित प्राचीन महादेव मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बने हुए हैं। महानदी, पैरी और सोंढूर के पावन तटों पर आयोजित होने वाले भजन-कीर्तन, सत्संग, महाप्रसाद एवं धार्मिक यात्राएं सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का संदेश दे रही हैं। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला राजिम कुंभ कल्प मेला इस क्षेत्र की धार्मिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बता दें कि धार्मिक आस्था, ऐतिहासिक विरासत, प्राकृतिक सुंदरता और सनातन संस्कृति की अनुपम छटा से समृद्ध राजिम-पद्मावती पुरी क्षेत्र आज छत्तीसगढ़ की पहचान बनकर उभर रहा है, जहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा, मानसिक शांति और दिव्य अनुभूति प्राप्त हो रही है।